

कयू न लिखू सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ़, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

देव दीपावली: प्रांतीय मेला महाआरती का प्रस्ताव भी पास, अर्जुन पासी के मुद्दे पर राहुल गांधी ने सीएम योगी को लिखा पत्र, पूछा- अब तक क्यों नहीं हुई कार्रवाई?

काशी की विश्वविख्यात देव दीपावली को लेकर अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गंगा महोत्सव और देव दीपावली के लिए मंडलायुक्त ने बैठक कर अधिकारियों को निर्देशित किए हैं। स्थानीय लोगों से भी बातचीत कर रणनीति बनाई जाएगी। योगी सरकार ने काशी में होने वाले देव दीपावली को प्रांतीय मेला घोषित कर दिया है। इसकी घोषणा कमिश्नर कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में हुई गंगा महोत्सव और देव दीपावली की बैठक में हुई। इस बार देव दीपावली में काशी के लोगों की सहभागिता बढ़ाने पर फोकस किया जाएगा।



तैयारियों के लिए स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर रणनीति बनाई जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि 12-14 नवंबर तक होने वाला गंगा महोत्सव आरपी घाट पर होगा। इसमें वाराणसी के



स्थानीय कलाकारों, काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के प्रतिभागियों के साथ ही बाहरी प्रतिभागियों को भी मंच दिया जाएगा। कमिश्नर ने कहा कि इस बार देव दीपावली का उद्देश्य

जनसहभागिता बढ़ाना है। इसके लिए सिविल डिफेंस, रेड क्रॉस, गंगा सफाई समितियां और विभिन्न थानों की शांति समितियों के लोगों के साथ पांच हजार अन्य लोगों को जोड़ा जाएगा। बैठक में डीएम एस राजलिंगम, वीडो वीसी पुलकित गर्ग, सीडीओ हिमांशु नागपाल, एडीएम सिटी आलोक वर्मा, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर सीईओ विश्वभूषण मिश्र मौजूद रहे। वहीं, देव दीपावली महासमिति के अध्यक्ष वागीश शास्त्री ने बैठक में महाआरती का प्रस्ताव रखा। इसे स्वीकार कर लिया गया है। होटल,

नाविक, ई-रिक्षा संगठन रेट तय कर लें होटल संगठनों, नाविक संगठनों, रिक्षा/ ई-रिक्षा संगठनों से कहा गया कि वे बैठक करके अपने रेट पहले ही निर्धारित करें ताकि आने वाले पर्यटकों को पूरी जानकारी पहले से हो। नगर निगम के अफसरों को घाटों पर बाढ़ के बाद जमी सिल्ट हटाने, सीढ़ियों की सफाई करते हुए अगले डेढ़ महीने विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देश निर्देशित दिए। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल, एंबुलेंस, चिकित्सा कैंप लगाने और नावों पर चिकित्सकीय ड्यूटी लगाते हुए स्वास्थ्य की उचित व्यवस्था बनाने को कहा गया।

संक्षिप्त समाचार



छत्तीसगढ़ में तीन महिला नक्सली मुठभेड़ में ढेर, हथियार बरामद; सुबह से हो रही फायरिंग

नारायणपुर और कांकर जिलों की सीमा पर माढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में अब तक तीन वर्दीधारी महिला नक्सली ढेर हुई हैं। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर और कांकर जिलों की सीमा पर माढ़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में अब तक तीन वर्दीधारी महिला नक्सली ढेर हुई हैं। मौके से भारी मात्रा में हथियार सहित नक्सल सामग्री बरामद की गई है। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर एवं कांकर जिले की सीमा पर माढ़ के क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना मिली। सूचना मिलने के बाद डीआरजी, एसटीएफ और बीएसएफ की टीम सर्चिंग अभियान पर गई थी। सर्चिंग के दौरान पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि सुबह से मुठभेड़ जारी है। रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। सभी जवान सुरक्षित हैं।

फिलहाल मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने सितंबर के पहले सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों में खासतौर से उत्तर पश्चिम और मध्य समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में तेज बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून के सबसे ज्यादा बादल अगस्त के आखिरी महीने में ही बरसाने का अनुमान लगाया गया था गुजरात में जिस तरह से लगातार जल प्रलय मची हुई है वह मौसम वैज्ञानिकों के लिए बेहद चौंकाने वाली घटना है। दरअसल जिस लो प्रेशर एरिया की हवाएं उत्तर पश्चिम की ओर बहनी थी वह अपनी दिशाएं भटक कर दूसरी दिशाओं में पहुंच गई। मौसम वैज्ञानिकों की माने तो बीते कुछ वर्षों में मौसम के बदले पूरे ट्रेंड से इस बात का एहसास होता है कि अभी ऐसी ही परिस्थितियां आगे भी बनी रह सकती हैं। इन बदली हुई परिस्थितियों में रेगिस्तानी इलाकों में बाढ़ के हालात पैदा हो सकते हैं, जबकि जबकि गंगा के मैदानी इलाकों में बारिश सामान्य की तुलना में कुछ विशेष स्पेल में कम भी हो सकती है। फिलहाल मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने सितंबर के पहले सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों में खासतौर से उत्तर पश्चिम और मध्य समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में तेज बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून के सबसे ज्यादा बादल अगस्त के आखिरी महीने में ही बरसाने का अनुमान लगाया गया था गुजरात में बारिश के तबाही मचाने की असली वजह बदलता हुआ मौसम और जलवायु परिवर्तन ही है। दिल्ली विश्वविद्यालय में एनवायरमेंटल स्टडीज एंड क्लाइमेट चेंज के प्रोफेसर अनुराग सिंह कहते हैं कि जिस तरीके से गुजरात में बारिश हुई है वह स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि बने हुए लो प्रेशर एरिया की दिशाएं भटक



गई हैं। वह बताते हैं कि बंगाल की खाड़ी में बनने वाले लो प्रेशर एरिया और उसके बाद चलने वाली हवाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित एरिया उत्तर और पश्चिम का हिस्सा ही था। लेकिन बीच में भटकी हुई हवाएं आसपास के इलाकों में बारिश करती हैं। जिस तरीके से सिर्फ गुजरात में ही बादलों ने तबाही मचाई उससे स्पष्ट होता है कि चलने वाली हवाओं ने अपना रास्ता बदल दिया। वह उत्तर पश्चिम की वजह है सीधे पश्चिम इलाके की ओर बहने लगी। नतीजतन लो प्रेशर एरिया के बनने से बदली हुई हवाओं ने गुजरात के ऊपर जल प्रलय मचा दी। मौसम वैज्ञानिक डॉक्टर अनुराग कहते हैं कि बीते कुछ वक्त से इस बात को पहले से ही ऑब्जर्व किया जा रहा था कि अपने देश में बारिश का ट्रेंड बदल रहा है। वह कहते हैं कि करीब डेढ़ से दो दशक पहले तक पूरे मानसून की बारिश 4 महीने के दौरान होती थी। यानी कि मानसून का जो वक्त होता था उसे पूरे वक्त में रिमझिम बरसाते हुआ करती थी। लेकिन धीरे-धीरे यह ट्रेंड बदलता रहा। अनुराग सिंह कहते हैं कि बारिश के बदले हुए इस ट्रेंड का बड़ा असर केरल के एलेप्पी में आई कुछ साल पहले की महज कुछ घंटे की बारिश में दिखा था। वह कहते हैं कि जितनी बारिश पूरे मानसून में होनी थी वह महज कुछ घंटे के भीतर ही केरल के एलेप्पी में हो गई थी। इसी तरह हाल में देश की राजधानी दिल्ली में भी

बारिश का एक बड़ा हिस्सा दक्षिण दिल्ली के हिस्से में बरस गया, जबकि दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट के हिस्से में बारिश नहीं हुई। वह बताते हैं कि बीते कुछ दिनों में दक्षिण भारत के बंगलुरु जैसे शहर में रिमझिम बारिशों का दौर खत्म हो गया है। जबकि दक्षिण में यह वह इलाके हुआ करते थे जहां पर शुरू हुई बारिश होती थी। इसकी प्रमुख वजह जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ मौसम में प्रदूषण के चलते नमी की असमानता भी है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ आलोक सिन्हा कहते हैं कि गुजरात में जिस तरीके से भटकी हुई हवाओं ने कम दबाव के क्षेत्र के चलते हालात बिगाड़ दिए वह आगे भी देखे जा सकते हैं। उनका मानना है कि बदली हुई हवाएं कम दबाव के क्षेत्र को सिर्फ एक बार ही नहीं डिस्टर्ब करेंगे। बल्कि आने वाले दिनों में ऐसा आगे भी होता रहेगा। उनका मानना है कि जिस तरीके से बदली हुई हवाओं की दशाओं ने गुजरात में जल प्रलय मचा दी है। वहीं हवाएं आगे जाकर राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में तेज बारिश कर सकती है। हालांकि, यह बारिश इसी मानसून में होगी या आने वाले मानसून में रेगिस्तान में झमाझम बारिश के बदले हुए ट्रेंड के साथ इसका असर

दिख सकता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के रिसर्चर अक्षत गोयल कहते हैं कि यह पहले से तय था कि एल नीनो की समाप्ति और ला नीनो की शुरुआत के दौरान इस तरीके के हालात बनेंगे। वह कहते हैं क्योंकि एल नीनो मई में समाप्त हो रहा था और ला नीनो का असर उसके 60 दिनों बाद ही देखने को मिलता है। जो की अगस्त में हो रही तेज बारिश के चलते दिख रहा है।

मायावती बोलीं: महिला अपराधों में राजनीति नहीं, सख्त कदम उठाने की जरूरत, बंगाल और कन्नौज का किया जिक्र

देश के अलग-अलग राज्यों में महिलाओं के साथ हो रही अपराध की घटनाओं पर मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर उन्होंने ये बयान जारी किया। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने महिलाओं के साथ होने वाले जघन्य अपराधों के बाद होने वाली राजनीति पर विपक्ष को आड़े हाथ लिया। उन्होंने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि कभी बंगाल, महाराष्ट्र के बदलापुर, बिहार, यूपी के कन्नौज, आगरा, फर्रुखाबाद आदि में मासूम बच्चियों, नाबालिगों और महिलाओं के बलात्कार, हत्या एवं आत्महत्या की घटनाएं चिंताजनक हैं। केंद्र व सभी राज्य सरकारों इस मामले में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सख्त कदम उठाएं, ताकि ऐसी घटनाएं जल्दी होना बंद हों। इसकी आड़ में राजनीति नहीं होनी चाहिए। यही समय की मांग है। यह महिलाओं के हित में भी होगा दो दिन पहले भी उठाया था मुद्दा- बता दें कि दो दिन पहले राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भी मायावती महिला अपराध का मुद्दा उठा चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि यूपी सहित पूरे देश में महिलाओं की सुरक्षा बड़ी राष्ट्रीय समस्या बनकर उभर रही है। इसको लेकर अब केवल बयानबाजी और जुमलेबाजी से काम चलने वाला नहीं है, बल्कि केंद्र व राज्य सरकारों को सही नीयत व नीति के साथ काम करने की जरूरत है।



प्रियंका गांधी ने किया यूपी सरकार की सोशल मीडिया पॉलिसी पर हमला, पूछा महिलाओं की आवाज किस श्रेणी में?

प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार की सोशल मीडिया की पॉलिसी पर हमला किया। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने यूपी सरकार की हाल ही में लाई गई सोशल मीडिया पॉलिसी पर सीधा हमला किया है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि जो तुमको हो पसंद, वही बात कहेंगे तुम दिन को अगर रात कहो, रात कहेंगे उग्र सरकार की सोशल मीडिया पॉलिसी में न्याय मांग रही महिलाओं की आवाजें किस श्रेणी में आएंगी? 69000 शिक्षक सवाल किस श्रेणी में आएंगे? भाजपा सरकार की पोल-पट्टी तुम दिन को कहो रात तो रात, वरना एक और तरीका है। क्या भाजपा से ज्यादा कुछ सोच ही नहीं सकती? पर दो वर्ष से सक्रिय होना जरूरी- मीडिया नीति-2024 जारी कर दी मंजूरी दी थी। इसके तहत विज्ञापन इम्प्लुएंसर्स, कंटेंट राइटर या इससे कम दो वर्ष से अस्तित्व में होना अनिवार्य है। इससे सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा। फेसबुक पर न्यूनतम 10 लाख, पांच लाख, दो लाख और एक लाख सब्सक्राइबर या फॉलोअर्स के आधार पर चार श्रेणियां तय की गई हैं। इसी तरह सब्सक्राइबर या फॉलोअर्स के आधार पर अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए भी श्रेणियां तय की गई हैं। जारी नीति में कहा गया है कि अगर ऐसा पाया जाता है कि कोई भी कंटेंट (मैटर) राष्ट्र विरोधी, समाज विरोधी या अभद्र हो या समाज की विभिन्न वर्गों की भावना को ठेस पहुंचाता हो या गलत तथ्यों पर आधारित हो, सरकार की योजनाओं को गलत मंशा से या गलत ढंग से प्रस्तुत करता हो तो उस स्थिति में सूचना निदेशक की स्वीकृति से भुगतान संबंधी शर्तों को पूरा करने के बावजूद भुगतान रोका जा सकता है। पर, आपत्तिजनक पोस्ट पर आपराधिक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं है। जबकि आपत्तिजनक पोस्ट के संबंध में पहले से विद्यमान कानूनों के दायरे में कार्रवाई की जा सकती है। विज्ञापन के लिए सूचीबद्धता (एम्प्लोयमेंट) भी निरस्त हो सकती है। ऐसे मामलों में निदेशक सूचना को विधिक कार्यवाही के लिए भी अधिकृत किया गया है।



भर्ती आरक्षण घोटाले में उठने वाले भाजपा नेताओं-विधायकों द्वारा खोलना किस श्रेणी में आएगा? हवालात नीति सच को दबाने का लोकतंत्र और संविधान को कुचलने विज्ञापन के लिए सोशल मीडिया शासन ने उत्तर प्रदेश डिजिटल है। इसे कैबिनेट ने मंगलवार को के लिए डिजिटल मीडिया संबंधित एजेंसी या फर्म का काम से

संपादकीय

Editorial

Here the law is not courageous

Chief Parliamentary Secretary Urban Development and Education Ashish Butail has the political power to put his own department's proposal in the dustbin until politics brings out such buried dead bodies. Just two days ago, the proposal was not even born that the MLA of Palampur got suspicious of his own department. The department had started making a plan to bring 76 revenue villages under the Town and Village Planning Act, ensuring the next century of Palampur Municipal Corporation. It is the promise of the honorable MLA that such a proposal of his own department cannot be stopped in his border. This is because the public is afraid of the plan, not of its expansion and development. Because the law makers are also afraid of their implementation so that the public does not get angry. What is urban development, if this mentality is read, then every village of Himachal is now a city. The whole of Himachal is building rapidly in the desire of the village becoming a city. The competition of construction on every road has snatched the message of nature- the dimensions of nature, we have become platforms by swallowing valleys, but the roof touching the roof did not get a comfortable home. If human needs are analysed in the justification of new construction, then it will be known how careless we are towards natural resources. We want to see the state in disarray, that is why we do not have the capability to understand city planning. We want to crawl in the city, we want to create a ruckus in the village. Obviously, the Panchayat elections of 76 revenue villages will increase the headache in Butel ji's politics or even if he gives permission, then the defeated candidate of the opposition will get this clue to show sympathy. It may be easy for him to establish a tourist village, so he can take 120 hectares of land from the Agricultural University. Our chariot of development is now riding on such horses that eat announcements, not grass. Therefore, the announcement should be bigger than the law. No matter which government it is, the law is never bigger, if it is, then the announcement is great. Therefore, the future of 76 villages will not be decided by the TCP law, but the announcement of abolishing its scope will be easily accepted. A few such announcements are enough to remove the veil of law. We have become a society that travels in announcements. We have been celebrating Van Mahotsav for years, but after the rains, spring does not know on which plants it has blossomed. We decide Palampur on the announcements of parking facilities, but the insects of vehicles are standing firm on the roads. Here the law is not courageous, but the one who stands fearlessly in front of it is courageous. If it were not so, the mountains would not have been cut like this, the ravines would not have yearned for sand and we would not have sold ourselves to the mafia that has reached the foundation of the house. Our announcements can open new buildings, new buildings and new offices, but we cannot uproot the grass growing at the selfie point. If the unclaimed cattle are not declared stray even after reaching the DC offices, then amazing good governance runs in front of our eyes. Should we praise the courage of those who break the one way traffic rule or salute the heads of the increasing police districts. We feel like living in a colony that has been encroached by the law, we should just inform our rulers about it. It is surprising that if the legislators keep this kind of attitude in the draft of urban development plans, then what is the justification of establishing a municipal corporation in cities like Palampur. Here the example of Yol Camp can also be given where after decades, the people of the city have expressed their desire to settle in the village after getting free.

BJP upset with its own leaders of 'Kangana Culture'...

Of course, frankness is also a personal quality in politics, but there is a fundamental difference between frankness and being indiscreet. If any public statement is made without political understanding, then it is either stupidity or arrogance. Saying anything without thinking just to get headlines is like shooting yourself and your party in the foot. In the last six months, the issues of Constitution, reservation, caste census and farmers' movement have become such a sore spot for the BJP that even the BJP is not able to guess exactly where and how they will cause political damage to it. In this too, due to the long farmers' movement, after the three controversial agricultural laws were withdrawn by the Modi government, this matter had been marginalized for some time, but BJP MP and outspoken actress Kangana Ranaut has created new trouble for the Bharatiya Janata Party by raising this issue again before these Haryana assembly elections. It seems that the party will now have to keep a separate fire brigade to douse such house-burning statements of its own leaders. In other words, if there are leaders like Kangana in the party, then there is no need for enemies. For a time, Congress was troubled by loud-mouthed leaders like Mani Shankar Aiyar and Sam Pitroda. But now it seems that some people in the BJP have also taken this task in their hands. The helplessness of the BJP is that it is continuously suffering losses on these issues, but it does not have any solution or concrete answer for it. It is not even able to take any effective action against such leaders. The reason behind this is either helplessness or the party itself is supporting such people. Of course, frankness is also a personal quality in politics, but there is a fundamental difference between frankness and being unreasonable. If any public statement is made without political understanding, then it is either stupidity or arrogance. Saying anything without thinking just to get headlines is like shooting yourself and your party in the foot. Anyway, Kangana Ranaut is known for such controversial statements. She is a good actress, but it is not necessary that her political and social understanding is also as mature. Otherwise, there was no reason to curse the farmer movement, which had cooled down to a great extent, just before the Haryana assembly elections. After Kangana's statement, protests of angry farmers have started in Haryana. The surprising thing is that Kangana has given such a statement when she has been publicly slapped by a woman constable of CISF on this issue. There can be a debate on how legitimate, logical and politically motivated the farmer movement was, which forces were behind it, but accusing it of being run by separatists and foreign hands, and that too at this time, is not political wisdom at all. Even if this is frankness, the element of wisdom is missing in it. Anyway, Kangana herself is neither from a farmer family nor does she have any kind of connection with this movement. In a recent interview, she said that during the farmers' movement on the Delhi border, bodies were seen hanging at the protest site and rapes were taking place. She said that if the Modi government had not taken strict steps, the farmers' protest could have created a situation like Bangladesh in India. This statement also surprised those BJP members who are engaged in political correction of the mistakes made in the Lok Sabha elections. Sensing the possible political loss from this statement, the BJP immediately issued a denial that Kangana's statement is not the party's authorized opinion. She has no right to speak on policy matters. Along with this, Kangana was warned not to speak on such issues in future. On the other hand, the opposition immediately pounced on this statement and started attacking the BJP. Leader of Opposition Rahul Gandhi said that Kangana's statement is proof of BJP's anti-farmer policy. It cannot be accepted under any circumstances. He said that the system, which has failed to fulfill the promises made to the farmers, is engaged in defamatory propaganda against the farmers. Rahul said that if BJP disagrees with Kangana's statement, then it should expel her from the party. He also said that 700 farmers sacrificed their lives in the 378-day marathon struggle against the three controversial agricultural laws. Calling them rapists and representatives of foreign forces is a sign of BJP's anti-farmer policy and intentions and is an insult to the farmers of western Uttar Pradesh, Haryana and Punjab. India Alliance will ensure legal guarantee of MSP for farmers. Similar statements also came from Aam Aadmi Party and SP. Because everyone knows how sensitive the issue of farmers is for Haryana, Punjab and western Uttar Pradesh. Any adverse reaction in this matter can shake the BJP's gathering from its roots. In fact, such suicidal statements are either born from the womb of overconfidence or are the result of irrationality. It hides the arrogant feeling that the public is their slave. Whatever they do or say, power will remain in their hands. Prime Minister Narendra Modi's slogan 'Abki Baar Chaar Sau Paar' before the Lok Sabha elections was also the result of this delusion. BJP's bumper victory in three assembly elections and the grand installation of Lord Ram in the Ram temple created such a political fog that those in power probably stopped hearing the simmering below the surface. This political deafness inspires such statements, which prove to be like 'running a bulldozer' on one's own house. The same thing happened during the Lok Sabha elections. 'Chaar Sau Paar' is why This narrative spread like a secret river Ganga that BJP remained 32 seats away from majority figures, let alone crossing 400. This was not started by any opposition party but by BJP MPs of 'Kangana culture' Anant Hegde, Jyoti Mirdha, Lallu Singh, Arun Govil etc. Congress and the opposition made this bragging their sure shot weapon and started attacking the intentions of BJP. As a damage control, BJP also cut the tickets of some MPs, but it did not have any effective remedy to turn back the fingers raised on the party's intentions. By the time it gave a suitable political answer to these questions, it was too late. BJP's problem is that now Rahul Gandhi is being continuously and fearlessly attacked on all the four issues that have become its sore spot. In such a situation, the old formulas of proving Rahul as 'Pappu' or 'immature politician' are not working. This is probably the first time in the last ten years that BJP, which claims to be the biggest party in the country, let alone the world, is busy sharpening its sword to defend itself from opposition attacks instead of setting its agenda. This is evident from the Modi government going on the backfoot on core issues and not being able to keep its own leaders in order. How much damage Kangana's latest statement will cause or not to BJP in Haryana will be known from the results of the assembly elections, but the party is not in a position to take any strict action against Kangana. This is clear.

BJP is haunted by symbols of the past, it will have to deal with them on its own in Maharashtra

The Maharashtra election is crucial for the BJP. The Namo Shetkari Mahasamman Nidhi and the Ladki Behen cash transfer scheme are being discussed and have increased the party's acceptance, but the BJP will have to deal with the challenges it faces on its own. This was the time before the Maharashtra assembly elections of 2014. Devendra Fadnavis, the main face of the BJP's election campaign, was on the stage at a conference organised by a news channel. On a big screen behind him was playing the now famous video clip in which Fadnavis was saying, "When the BJP comes to power, Ajit Dada Chakki will be grinding, grinding and grinding." It was a wonderful mix of Bollywood and politics. I asked Fadnavis if he had seen Sholay, in which Veeru and Basanti get engaged. When asked what would happen if the support of the NCP was needed, Fadnavis laughingly said that it would be better to stay out of power. Since then, the video has gone viral and has become a symbol of the past that is casting a shadow over the BJP's future in Maharashtra. This month, the Election Commission announced the dates for elections in Haryana and Jammu and Kashmir. But attention is focused on Maharashtra because it is seen as the path to dominance in national politics. The BJP's journey over the past decade shows the dangers of looking at short-term gains. The party abandoned anti-corruption issues, created a sense of distrust among allies, lost credibility by indulging in divisive politics, resulting in accusations of opportunism. The BJP's successful campaign in 2014 was built around personality and promise. The slogan given was - Narendra in Delhi, Devendra in Mumbai. Fadnavis was affable, but aggressive and hardline in his approach. In 2012, after a fire broke out in the ministry, he filed a petition to register an FIR against the then chief minister. Between 2014 and 2019, Fadnavis built a stellar image for himself. But he seems to have lost that image now. In 2024, Fadnavis is often seen at war within the party. At the core of the BJP's success was the promise to make the state corruption-free, underlined by the chargesheet of the Rs 11 lakh crore scam against the Congress-NCP alliance. In October 2014, the BJP, along with the Shiv Sena, returned home by winning 122 and 63 seats respectively out of 288 seats. Soon after coming to power, the Fadnavis government gave the state Anti-Corruption Bureau the go-ahead to investigate the NCP's Ajit Pawar and Sunil Tatkare. A decade later, Fadnavis and Ajit Pawar are deputy chief ministers and are campaigning together for the 2024 elections. In politics, relationships define success and language matters. For a quarter of a century, the BJP and the Shiv Sena were allies in the saffron alliance. The alliance continued despite what Shiv Sena chief Bal Thackeray called domestic strife. But after the 2019 elections, the alliance ended over the fight for the chief minister's post. Government formation was stalled. Eventually, Uddhav Thackeray walked out of the alliance and the coalition broke. The BJP has been calling itself a different kind of party. With 105 MLAs, it could have defeated the opposition, but it did not do so. Just like corporate companies acquire an enemy company, the BJP inducted Ajit Pawar into its camp on November 23, 2019 to form the government. NCP chief Sharad Pawar immediately called his nephew's joining the BJP illegal and formed the Maha Vikas Aghadi (MVA) by combining Shiv Sena-Uddhav, NCP-Pawar and Congress and named Uddhav as the Chief Minister. The BJP's temporary alliance with Ajit Pawar did not last even three days and Ajit Pawar joined the MVA government along with his allies. In 2022, the MVA appeared close to collapse under the weight of its contradictions when the BJP, in partnership with the Eknath Shinde-led Shiv Sena faction, toppled the MVA government. The opposition alleged that the party was split by invoking fear of central agencies. While the BJP pleaded not guilty, the Shinde faction said it was not a split. Fadnavis faced ignominy when he was directed to join the government as deputy chief minister. In July 2023, the BJP again went back to its old plan and inducted the Ajit Pawar faction into the government. This was obviously done for social alliances and electoral success in rural Maharashtra. However, this did not help in the Lok Sabha elections held in June 2024, but rather affected the party's strategy.

मुरादाबाद में छात्रा से छेड़खानी: दूसरे समुदाय के किशोर को लोगों ने पकड़ा, बचाव में आए पिता और आरोपी की पिटाई

मुरादाबाद में दूसरे समुदाय के किशोर ने छात्रा के साथ छेड़खानी कर दी। इस बीच लोगों ने उसे पकड़ लिया। बचाव करने आए पिता और आरोपी की लोगों ने पिटाई कर दी। इसका वीडियो



वायरल होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मुरादाबाद के सिविल लाइंस क्षेत्र में छात्रा का पीछा कर रहे एक किशोर को लोगों ने पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान उसका पिता बचाने आया तो लोगों ने उसे भी जमकर पीटा। इस

दौरान कुछ लोगों ने मोबाइल से वीडियो बना ली और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी किशोर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपी दूसरे संप्रदाय का है। सिविल लाइंस क्षेत्र के रामगंगा विहार निवासी छात्रा को एक किशोर लंबे समय से तंग कर रहा था। आते-जाते समय उसे रास्ते में परेशान कर रहा था। पीड़ित छात्रा ने इस मामले की शिकायत अपने घर वालों को दी। शुरुआत में परिवार के लोगों ने पीड़िता को समझा कर शांत करा दिया था, लेकिन इसके बाद भी आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया और वह लगातार उसे तंग करता रहा। परेशान होकर पीड़िता ने घर से बाहर जाना बंद कर दिया था। परिवार के लोगों ने पूछताछ की तो उसने आपबीती सुनाई। इसके बाद परिजन आरोपी की तलाश में जुट गए थे। 26 अगस्त को पीड़िता घर से बाहर निकली और साईं मंदिर रोड पर पहुंची तो आरोपी फिर से आ गया। आरोप है कि उसने छात्रा के साथ छेड़खानी की। इसी दौरान पीड़िता के मां-बाप और अन्य लोग आ गए। उन्होंने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की और उसके कपड़े तक फाड़ दिए। इसके बाद लोगों ने कॉल कर किशोर के पिता को बुला लिया। पिता ने बचाने की कोशिश की तो उसकी भी पिटाई की गई। इसी दौरान लोगों ने मोबाइल से वीडियो बना ली। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल – बुधवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और जांच पड़ताल में जुट गई। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर छेड़खानी करने वाले किशोर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। उसकी तलाश की जा रही है। पिटाई करने वालों पर पुलिस ने नहीं की कार्रवाई – पिता-पुत्र के साथ मारपीट करने वालों पर पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है। किशोर पर एक छात्रा के साथ छेड़खानी का आरोप लगाकर उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि वह लंबे समय से छात्रा को परेशान कर रहा था, लेकिन इस मामले में थाने या चौकी में पहले कोई शिकायत तक दर्ज नहीं की गई थी। अब वीडियो वायरल हुआ तो किशोर के खिलाफ छेड़खानी का केस दर्ज किया गया है। किशोर और उसके पिता की बेरहमी से पिटाई करने वालों पर अब तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

डिलीवरी के बाद महिला की मौत पर हंगामा, स्वास्थ्य विभाग ने किया अस्पताल सील... नवजात की हालत गंभीर

मुरादाबाद पाकबड़ा के मखदूमी अस्पताल में डिलीवरी के बाद अमरोहा निवासी महिला की मौत हो गई। हंगामे के बाद स्वास्थ्य विभाग ने जांच कर अस्पताल को सील कर दिया है। परिजनों का आरोप है कि महिला की तबीयत बिगड़ने पर स्टाफ मौके से भाग निकला। पाकबड़ा के मखदूमी अस्पताल में मंगलवार रात डिलीवरी के कुछ देर बाद अमरोहा निवासी सकीना (24) की मौत हो गई। नवजात की हालत भी गंभीर है। महिला की मौत से नाराज परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। अमरोहा के थाना डिंडौली के गांव पतई खालसा निवासी आदिल लकड़ी का काम करते हैं। उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी सकीना को मंगलवार सुबह दस बजे पाकबड़ा के ख्वाजा कॉलोनी स्थित मखदूमी अस्पताल में भर्ती कराया था। महिला का मायका कांठ में है। रात 11 बजे सकीना की नॉर्मल डिलीवरी हुई। कुछ देर बाद ही उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। नाराज परिजनों ने महिला का शव अस्पताल के बाहर रखकर हंगामा कर दिया। मौका देखकर झोलाछाप राहिल खान और स्टॉफ मौके से भाग निकला। मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची तो पता चला कि अस्पताल बिना पंजीकरण व बिना विशेषज्ञ डॉक्टरों के चलाया जा रहा है। घटना व हंगामे की जानकारी पर सिटी मजिस्ट्रेट किशुक श्रीवास्तव व सीओ हाईवे कुलदीप गुप्ता मौके पर पहुंचे। साथ ही डिप्टी सीएमओ डॉ. नरेंद्र चौधरी को बुलाया गया। अधिकारियों की मौजूदगी में स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को सील किया। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अस्पताल में भर्ती मिले आठ मरीज- प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम को अस्पताल में कुल आठ मरीज भर्ती मिले। तीन मरीजों का ऑपरेशन किया गया था।

नौनिहालों की जान जोखिम में डालकर स्कूल भेज रहे अभिभावक, जिम्मेदार अनजान

मुरादाबाद। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाने और विभागीय बैठकों में आने के बाद भी अभिभावक अपने नौनिहालों की सुरक्षा को लेकर सतर्क नहीं हो रहे हैं। चंद पैसे बचाने और खुद की सहूलियत के लिए उनकी जान जोखिम में डालकर अपने छोटे-छोटे बच्चों को असुरक्षित वाहनों में स्कूल भेज रहे हैं। प्राइवेट कार और ई रिक्शा में स्कूली बच्चों के सफर पर रोक लगाने के लिए जिम्मेदार संभागीय परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की लाख कोशिश के बाद भी बच्चों को बुधवार को दिल्ली रोड पर यातायात पुलिस ने मानक से अधिक बैठे ड्राइविंग लाइसेंस तक नहीं दिखा सका। बुधवार को सिविल लाइंस क्षेत्र मानक पूरे न करने वाले ऐसे कई वाहन खड़े मिले। जिनमें स्कूल की छुट्टी ट्रैफिक पुलिस द्वारा प्रतिबंधित ई रिक्शा पर स्कूली बच्चे निर्धारित सीटों रिक्शा में भी बच्चों को भरकर फर्टाटा भरा जा रहा था। वहीं कई ईको सवारियों को ले जाने के लिए सीट होती है। जबकि इन वैन में 11- 12 एक बेंच डालकर बच्चों को बैठाया जा रहा है। जबकि ड्राइवर के पास पार्श्वनाथ प्लाजा के पास चेकिंग कर रहे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों ने रोक वहा अपना लाइसेंस नहीं दिखा पाया। हालांकि मौके पर उसकी वैन का सुरक्षा के प्रति जागरूक और गंभीर होना पड़ेगा। जिला विद्यालय निरीक्षक मीटिंग में बच्चों को वाहनों में भेजने के लिए स्कूल की ओर से अभिभावकों से लिखित रूप में शपथ पत्र भी लिया जा चुका है। इसके बावजूद अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को लेकर जागरूक नहीं हो रहे हैं। विभाग की ओर से कई स्कूलों में बैठक कर स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के लिए समझाया गया है। किसी अभिभावक का घर सड़क से 100 से 200 मीटर अंदर है तो वह बच्चों को बाहर सड़क पर खड़ी स्कूल बस तक छोड़ने का आलस्य कर जाते हैं। छोटे और असुरक्षित वाहन, ई रिक्शा कम पैसे में उनके घर से बच्चे लेकर वापस घर तक छोड़ते हैं। इसको देखते हुए कई अभिभावक ऐसे असुरक्षित वाहनों में अपने बच्चों को स्कूल भेज रहे हैं। हालांकि किसी दिन लापरवाही भारी पड़ सकती है।- प्रणव झा, आरटीओ प्रवर्तन



परीक्षा केंद्र पर स्टाफ के पास अनिवार्य रूप से हो पहचान पत्र, डीएम ने दिए निर्देश

मुरादाबाद। 26 परीक्षा केंद्रों पर हो रही उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के अन्तर्गत 30 व 31 अगस्त को जिले के निर्धारित केंद्रों पर होने वाली परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी अनुज सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने कहा कि परीक्षा केंद्र पर तैनात स्टाफ के पास पहचान पत्र (आई कार्ड) अनिवार्य रूप से होना चाहिए। परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश देने से पहले प्रवेश पत्र के अनुसार पहचान सुनिश्चित करने के दौरान भर्ती बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चंद्र, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, एसपी यातायात सुभाष चन्द्र गंगवार, जिला विद्यालय निरीक्षक डा. अरूण कुमार दुबे सहित स्टेटिक मजिस्ट्रेट आदि मौजूद रहे।



दरोगा और दो सिपाहियों पर दलित परिवार से थूक चटवाने का आरोप

मुरादाबाद। मझोला थाना क्षेत्र में एक दलित परिवार ने दरोगा व दो सिपाहियों पर थूक चटवाने का आरोप लगाया है। तीनों पुलिसकर्मियों ने आवास से बेदखल करने का दबाव बनाया। दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने पर थूक चटवाया। इस मामले को लेकर परिवार को लेकर विश्व दलित परिषद ने बुधवार को एसएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। तीनों पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। विश्व दलित परिषद के राष्ट्रीय सचिव ओमकार सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया है कि एक अन्य मामले में आरोपियों की मिलीभगत से मझोला थाने के दरोगा व दो सिपाहियों ने आवास से बेदखल करने का दबाव बनाया। आरोप है 7 मई 2024 को थाने लाकर आरोपी दरोगा व सिपाहियों ने परिवार को जातिसूचक शब्द कहे। बेदखली के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने पर परिवार को हवालात में बंद कर दिया। इसके बाद मारपीट की। आरोप है फिर भी इनकार करने पर दरोगा व दो सिपाहियों ने जमीन पर थूक कर परिवार के तीन सदस्यों से चटवाया। इसके बाद पुलिसकर्मी झूठे मुकदमे में जेल भेजने की धमकी देने लगे। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने किसी अन्य व्यक्ति से परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराके कार्रवाई शुरू कर दी। परिवार के उच्च अधिकारियों से शिकायत करने पर जांच क्षेत्राधिकारी को सौंप दी। बुधवार को इस मामले में विश्व दलित परिषद के लोगों ने एसएसपी कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया। पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उक्त मामला सज़ान में नहीं आया है। अगर ऐसी घटना है तो जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी..., पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह।

संभल में रिटायर्ड DDA इंजीनियर की हत्या घर के बरामदे में लहलुहान हालत में पड़ा था शव, पत्नी गई थी मेला देखने

मुरादाबाद गुन्नौर में डीडिए के रिटायर्ड इंजीनियर की हत्या कर दी गई। उसका शव बरामदे में पड़ा मिला। एसपी ने मौके पर पहुंच आसपास के लोगों से जानकारी ली। आरोपियों की तलाश के लिए कई टीमें लगाई गई हैं। गुन्नौर के रहने वाले सेवानिवृत्त डीडिए इंजीनियर शकील अहमद (75) की चाकूओं से गोदकर हत्या कर दी गई। उनका लहलुहान शव घर के बरामदे में पड़ा मिला। शकील बुधवार रात घर पर अकेले थे। पत्नी मेला देखने गई थी। वापस लौटी तब घटना की जानकारी हुई। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। गुन्नौर कोतवाली के स्थानीय मोहल्ला मासूम अली के डेवलपमेंट अथॉरिटी) में इंजीनियर नीहत आरा बच्चों के साथ नोएडा में अमन के साथ पांच साल से गुन्नौर में बुधवार रात नगर में नुमाइश देखने साढ़े 11 बजे जब अमन वापस लौटी तो बरामदे में शकील का लहलुहान शव पड़ा था। यह देख उसकी चीख निकल पड़ी। रोने चीखने की आवाज सुनकर आसपड़ोस के लोग पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही एसपी कुलदीप सिंह गुनावत ने घटना स्थल का मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने नगर के एक युवक को हिरासत में लिया है। शकील की पत्नी अमन से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं सूचना पर पहली पत्नी नीहत आरा बच्चों के गुन्नौर पहुंच गई की।



रहने वाले शकील अहमद डीडिए (दिल्ली) थे। उन्होंने दो शहदियां की थी। पहली पत्नी रहती है, जबकि वह अपनी दूसरी पत्नी रहते थे। जानकारी के अनुसार अमन गई थी। शकील घर पर अकेले थे। रात तो दरवाजा भिड़ा हुआ था। अंदर पहुंची तो बरामदे में शकील का लहलुहान शव पड़ा था। यह देख उसकी चीख निकल पड़ी। रोने चीखने की आवाज सुनकर आसपड़ोस के लोग पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। रात में ही एसपी कुलदीप सिंह गुनावत ने घटना स्थल का मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव पोस्टमार्टम को भेज दिया गया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने नगर के एक युवक को हिरासत में लिया है। शकील की पत्नी अमन से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं सूचना पर पहली पत्नी नीहत आरा बच्चों के गुन्नौर पहुंच गई की।

संक्षिप्त समाचार

कोचिंग सेंटर पर शिक्षक की छेड़खानी से परेशान छात्रा ने खाया जहर, आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुरादाबाद। कोचिंग सेंटर में शिक्षक की छेड़खानी से तंग आकर छात्रा ने जहर खा लिया। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी और पीड़िता अलग-अलग समुदाय के हैं। नगर के नगलिया में राम सिंह कोचिंग सेंटर पर जसपुर रोड पर स्थित गांव की युवती कोचिंग कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। यहां ग्राम दारापुर निवासी यामीन पुत्र मोहम्मद रजाक भी पढ़ता है। युवती के भाई ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन पर शिक्षक यामीन बुरी नजर रखता था। पढ़ाई के दौरान उसके साथ अश्लील हरकतें करता था। परेशान होकर उसकी बहन ने जहर खा लिया। परिवार वालों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोप है कि जब उसने शिक्षक से इस संबंध में पूछताछ की तो वह गाली-गलौज करने के साथ मारपीट पर उतारू हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी शिक्षक यामीन को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि छेड़छाड़ के आरोपी शिक्षक को सख्ती तहरीर मिलने पर हिरासत में ले लिया गया था। छात्रा को पहले ठाकुरद्वारा के निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। हालत नाजुक होने पर उत्तराखंड के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। फिलहाल हालात में सुधार है। छात्रा के भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। वहीं राम सिंह कोचिंग सेंटर के प्रबंधक अनिरुद्ध चौहान ने बताया कि छात्रा के परिवार वाले शिकायत लेकर आए थे। शिक्षक को बुलाकर पूछताछ की। इस बीच पुलिस भी आ गई। पुलिस ने शिक्षक यामीन को गिरफ्तार कर लिया है। शिक्षक को कोचिंग सेंटर में शिक्षण कार्य से हटा दिया गया है।

सामूहिक दुष्कर्म के दोषी को सात साल की कैद, 15 हजार जुर्माना

मुरादाबाद। अदालत ने किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में दोषी को सात साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पड़ोस के रहने वाले दो युवक किशोरी को रात में बहला-फुसलाकर भगा ले गए थे। इसके बाद दोनों ने दरिंदगी को अंजाम दिया था। कोर्ट ने 14 साल बाद बुधवार को फैसला सुनाया है। बिलारी थाना क्षेत्र के रहने वाले असलम ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। तहरीर में असलम ने बताया था कि 21 अक्टूबर 2011 की रात को उनकी भतीजी को पड़ोस के रहने वाले दो युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गए थे। जानकारी होने पर उन्होंने रात में ही उसकी तलाश की। उसी रात को सुबह चार बजे वह अचानक खेत की तरफ गए। इस दौरान दोनों आरोपी किशोरी को खेत में ही छोड़कर भाग गए थे। किशोरी से पूछताछ के बाद असलम ने पड़ोस के ही रहने वाले अमीर अहमद पुत्र शकील खां और मुकेश पुत्र रामफल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मामले में बुधवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता अशोक कुमार यादव और अतिरिक्त शासकीय अधिवक्ता मनीष भटनागर ने बताया कि मामले में गवाहों के बयान अदालत में दर्ज कराए। अदालत ने पत्रावली पर मौजूद साक्ष्यों के आधार पर मुकेश पुत्र रामफल को दुष्कर्म का दोषी करार देते हुए सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जबकि दूसरा आरोपी अहमद पुत्र शकील खां के खिलाफ मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

KTUN RA LUKHNA ZAKH

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की सम्पर्क करें-9027776991

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए०एच०प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दो सहेलियों की मौत के बाद परिजनों ने उठाए पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल, डीएम व एसपी पहुंचे घाट

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविंद शुक्ला

फरुखाबाद/कायमगंज। प्रशासन की कड़ी मशक़त से हुआ दोनों बेटियों का अंतिम संस्कार परिजनों व पुलिस के बीच कई बार हुई ग़हमाग़हमी डीएम व एसपी ने अटैना घाट पहुंच कर परिजनों को समझाया परिजन उठाते रहे पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर सवाल दो लड़कियों की मौत के बाद अंतिम संस्कार को लेकर शासन व प्रशासन ने परिजनों से वार्ता की। वार्ता के दौरान परिजनों, शासन व प्रशासन के बीच बीच में गहमा गहमी होती रही। अन्तिम संस्कार न करने पर डीएम व एसपी अटैना घाट पहुंचे। सोमवार की रात क्षेत्र के गांव में जन्माष्टमी के त्योंहार पर मन्दिर देखने गई दो युवतियां देर रात तक जब घर नहीं पहुंची,तब परिजनों ने खोजबीन की थी। मंगलवार की सुबह दोनों के शव गांव के ही एक बाग में दुपत्ते से लटके मिले थे। अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग की थी। पुलिस ने शवो का पोस्टमार्टम कराया था। डीआईजी

एसपी आलोक प्रियदर्शी पड़ताल भी की थी। सीएमओ डॉ. अवनीन्द्र डॉ. दीपक कटियार, डॉ. मौजूद रहे थे। दोनों दौरान वीडियोग्राफी भी में फांसी से मौत की पुष्टि शाम शव गांवों पहुंचे। गांव छावनी में तब्दील विभाग के आला साथ गांव में डेरा डाले बारिश से सभी परेशान रवीन्द्र सिंह, सीओं प्रदीप सिंह व सीओ निरीक्षक रामअवतार, भाटी, इंस्पेक्टर कपिल अन्तिम संस्कार के लिए से काफी देर तक वार्ता निशान है। निशानों से को बुला कर समझाने की प्रयास पड़ा। ब्लाक प्रमुख बीच बीच में मृतिका के दोनों की अर्थी उठाने हंगामा कर दिया। शासन शवों को अलग अलग अन्य तीन ट्रैक्टर में गांव वाहनों के आगे पीछे पर दोनों के शवो को जिलाधिकारी व पुलिस

सिंह व सीओं सिटी ने परिजनों से वार्ता की और समझाने की कोशिश की। लेकिन परिजन नहीं माने। जिस पर जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह व एसपी आलोक प्रियदर्शी मौके पर पहुंचे। जहां मृतिका के परिजनों ने युवतियों के शरीर पर चोट के निशान की बात कही। परिजनों ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर भी सवाल उठाए। परिजनों ने जिलाधिकारी व एसपी से घटना की जांच सीबीआई से काराने मांग की। जिलाधिकारी व एसपी के समाझाने के बाद परिजन शवों का अन्तिम संस्कार करने के लिए राजी हुई। मृतिका के भाईयों ने मुखाग्नि दी।

दो सहेलियों की मौत को लेकर समाजवादी पार्टी ने की सीबीआई जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच

फरुखाबाद/ कायमगंज। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आज कायमगंज स्थित दोपहर 3 बजे ग्राम भगवतीपुर पहुंचा। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक प्रताप सिंह यादव, उर्मिला राजपूत, पूर्व लोकसभा किशोर शाक्य, पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर, मिश्रा ,प्रदेश महासचिव यादव, जिला महासचिव लोग प्रमुख रूप से वहां विवेक यादव ने बताया परिवार से जब तो पूरे परिवार ने एक मांग करते हुए कहा कि बल्कि हत्या है। परिवार गड़बड़ी की गई है। उधर

अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह जघन्य अपराध होने के बावजूद प्रदेश सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है, डॉक्टर नवल किशोर शाक्य ने कहा पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों में फर्क है इसलिए वह उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। उधर कायमगंज से पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर ने कहा कि यहां पर पुलिस प्रशासन सादी वर्दी में घूम कर पीड़ित परिवार को दबाने का प्रयास कर रहा है। वह लगातार कोशिश की जा रही है कि पीड़ित परिवार अपनी बात मीडिया और विपक्षी पार्टी के नेताओं तक ना कह सके।



प्रत्याशी डॉक्टर नवल कायमगंज विधानसभा नगर अध्यक्ष राघव दत्त अनुसूचित प्रकोष्ठ शशिमा सभा अध्यक्ष सोमेंद्र इलियास मंसूरी आदि मौजूद रहे। जिला प्रवक्ता कि वहां मौजूद पीड़ित प्रतिनिधिमंडल ने बात की, साथ सीबीआई जांच की यह आत्महत्या नहीं है ने कहा पोस्टमार्टम में भी समाजवादी पार्टी के जिला

दो सहेलियों की मौत को लेकर समाजवादी पार्टी ने की सीबीआई जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच

फरुखाबाद/ कायमगंज। समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आज कायमगंज स्थित दोपहर 3 बजे ग्राम भगवतीपुर पहुंचा। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव, पूर्व विधायक प्रताप सिंह यादव, उर्मिला राजपूत, पूर्व लोकसभा किशोर शाक्य, पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर, मिश्रा ,प्रदेश महासचिव यादव, जिला महासचिव लोग प्रमुख रूप से वहां विवेक यादव ने बताया परिवार से जब तो पूरे परिवार ने एक मांग करते हुए कहा कि बल्कि हत्या है। परिवार गड़बड़ी की गई है। उधर

अध्यक्ष ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह जघन्य अपराध होने के बावजूद प्रदेश सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है, डॉक्टर नवल किशोर शाक्य ने कहा पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों में फर्क है इसलिए वह उच्च स्तरीय जांच की मांग करते हैं। उधर कायमगंज से पूर्व प्रत्याशी सर्वेश अंबेडकर ने कहा कि यहां पर पुलिस प्रशासन सादी वर्दी में घूम कर पीड़ित परिवार को दबाने का प्रयास कर रहा है। वह लगातार कोशिश की जा रही है कि पीड़ित परिवार अपनी बात मीडिया और विपक्षी पार्टी के नेताओं तक ना कह सके।



प्रत्याशी डॉक्टर नवल कायमगंज विधानसभा नगर अध्यक्ष राघव दत्त अनुसूचित प्रकोष्ठ शशिमा सभा अध्यक्ष सोमेंद्र इलियास मंसूरी आदि मौजूद रहे। जिला प्रवक्ता कि वहां मौजूद पीड़ित प्रतिनिधिमंडल ने बात की, साथ सीबीआई जांच की यह आत्महत्या नहीं है ने कहा पोस्टमार्टम में भी समाजवादी पार्टी के जिला

अलीगढ़ - थाना जवां के कासिमपुर पावर हाउस में स्थित - साईं मंदिर मार्केट का है। इस मार्केट - में काफी खोखे बने हुए हैं। बीती रात अचानक से बिजली का सॉर्ट सर्किट हो गया। जिससे खोखों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते खोखे झुलसने लगे। आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जब इसकी सूचना पुलिस को लगी तो थाना जवां से पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना देकर अग्निशमन की गाड़ियों को बुलवाया। अग्नि शमन की गाड़िया द्वारा पानी डालकर काफी कोशिश आग बुझाने की लेकिन आग काफी विकराल रूप धारण कर चुकी खोखों में की रात करीब एक बजे लगी आग की घटना का दृश्य थी। जिसके कारण बुधवार करीब सुबह के 4 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका लेकिन जब तक आग ने लगभग 10, 11 दुकानों को खाक कर दिया। आग लगने का कारण सॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

कस्तूरबा गाँधी आवासीय स्कूल मे प्राथमिक विद्यालयों मे चलाया जा महिला सम्बन्धी कार्य क्रम सम्पन्न रहा जेश ईश टीका करण अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

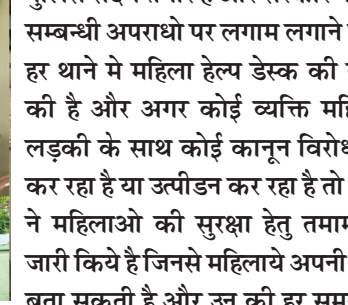
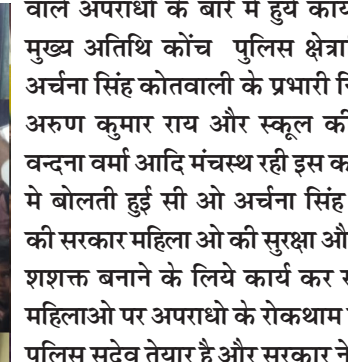
कोंच(जालौन) आज गुरुवार को महंत नगर घुसिया रोड स्थित कस्तूरबा गाँधी आवासीय स्कूल मे महिला मिशन शक्ति को लेकर महिला शशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत महिलाओ पर होने वाले

वाले अपराधो के बारे मे हुये कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि कोंच पुलिस क्षेत्राधिकारी अर्चना सिंह कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय और स्कूल की वार्डन वन्दना वर्मा आदि मंचस्थ रही इस कार्य क्रम मे बोलती हुई सी ओ अर्चना सिंह ने कहा की सरकार महिला ओ की सुरक्षा और उनको शशक्त बनाने के लिये कार्य कर रही और महिलाओ पर अपराधो के रोकथाम के लिये पुलिस सदैव तैयार है और सरकार ने महिला सम्बन्धी अपराधो पर लगाम लगाने के लिए हर थाने मे महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की है और अगर कोई व्यक्ति महिला या लड़की के साथ कोई कानून विरोधी कार्य कर रहा है या उत्पीडन कर रहा है तो सरकार ने महिलाओ की सुरक्षा हेतु तमाम नम्बर जारी किये है जिनसे महिलाये अपनी समस्या बता सकती है और उन की हर समस्या का



क्यूँ न लिखूँ सच -पवन कुमार

जनपद के समस्त संचालित स्कूलों में पंजीकृत 1-15 वर्ष तक के बच्चों हेतु चलाये जा रहे जे0ई0 टीकाकरण अभियान अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय गणेशगंज बजरिया उई में प्लान अनुसार टीकाकरण अभियान के दौरान टीकाकरण सत्र पर अभिभावकों द्वारा टीकाकरण का विरोध किया गया सूचना उपरान्त डा0एन0डी0 शर्मा मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बेसिक शिक्षा अधिकारी व श्री अलीम समाजसेवी के साथ पहुंचकर विरोध कर रहे उपस्थित अभिभावकों से वार्ता कर बच्चों में होने वाली दिमागी बुखार के बचाव हेतु जे0ई0 टीका का लगाये जाने के प्रभाव के बारे ते विस्तार पूर्वक बताया गया। उपस्थित अभिभावक प्रेरित होकर अपने बच्चों को टीका लगाने की अनुमति प्रदान की गई तद्वपरान्त उपस्थित 56 बच्चों का टीकाकरण करवाया गया। जनपद के समस्त अभिभावकों से अनुरोध है कि स्कूल जाने वाले पंजीकृत 1-15 वर्ष तक अपने बच्चों को स्कूल में जे0ई0 का टीका अवश्य लगवायें जिससे दिमागी बुखार जैसी खतरनाक बीमारी से बचाया जा सके।



निदान होगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय ने महिला और लड़कियो से कहा की आपको किसी भी प्रकार की डरने की जरूरत नहीं है और कोई व्यक्ति अगर परेशान करता है तो आपको 112 नम्बर डायल करना होगा तत्काल पुलिस आपकी समस्या के लिये आपके यहाँ पर आयेगी और आपकी समस्या के लिये प्रयास करेगी आपके साथ आपकी सुरक्षा के लिए पुलिस चौबीस घण्टे सेवा मे हाज़िर रहेगी कार्य क्रम के पूर्व पर कस्तूरबा गाँधी आवासीय स्कूल की वार्डन वन्दना बर्मा बबिता बबेले ऋतु वर्मा करुणा विश्वकर्मा प्रतिक्षा गुप्ता अनीता पाल मांडवी देवी पुष्पा यागिक कृपा शंकर राजपूत आदि ने अतिथियों का स्वागत किया इस अवसर पर स्कूल की कई छात्राएं उपस्थित रही

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच

को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knslive@gmail.com



क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ जूनियर हाई स्कूल धनीपुर में अगस्त्य फाउंडेशन के तत्व विधान में मेले का कार्यक्रम रखा गया किसी कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने किया इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर मंजू गौतम ने किया इस कार्यक्रम में स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद रहा खाना बनाने वाली रसोइया भी मौजूद रही इस मेले में बच्चों को तकनीकी ज्ञान की शिक्षा दी गई स्कूल के छात्र एवं छात्राओं इस मेले में तकनीकी योग्यता में पुरी जानकारी दी भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह कहां के ऐसे जो मेले लगाए जाते हैं उसे मेले में जो तकनीकी शिक्षा दी जाती है उससे बहुत बड़े ज्ञान की प्राप्ति होती है समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम रखना बहुत जरूरी होता है इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका नीलम सक्सेना डॉक्टर नीलम पाराशर रिचा गर्ग बरखा शर्मा शालिनी ग़ोवर वेद श्री आनंद प्रकाश साधना शर्मा नीतू सिंह सीता रानी एवं दीपक कुमार सिंह का इस समय विशेष योगदान



प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सक समय से अस्पताल खोलकर प्रदान करें स्वास्थ्य सुविधाएं - डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रमचंद जायसवाल

आवस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला आयुष समिति की बैठक जिलाधिकारी कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित रूप से ओ0पी0डी0 में बैठकर मरीजों का उपचार कर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करायी जाए और निर्धारित समय पर ही बन्द किया जाए। यदि आकस्मिक निरीक्षण के दौरान कोई अस्पताल बन्द मिला तो सम्बन्धित प्रभारी चिकित्साधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में पेयजल व्यवस्था, सम्पर्क मार्ग का निर्माण एवं योगाभ्यास हेतु पक्का चबूतरा निर्माण आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं बैठक के दौरान आयुष चिकित्सकों को निर्देशित कार्यालय में अंशकालिक रिक्त पदों पर भर्ती हेतु सीध चयन प्रक्रिया किया जाए। जिन चिकित्सालयों के लिए जमीन नहीं है, उनके लिए भूमि आवंटन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया जाए। जनपद में नवनिर्माणाधीन 50 शैया चिकित्सालय में कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने की कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, जिला होम्योपैथिक अधिकारी डा हरिओम करते जिलाधिकारी वाजपेयी, आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी डा0 रामपाल, जिला कार्यक्रम अधिकारी डी0पी0एम0 संजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जवां में आग लगने से 11 खोखे जले, नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ - थाना जवां के कासिमपुर पावर हाउस में स्थित - साईं मंदिर मार्केट का है। इस मार्केट - में काफी खोखे बने हुए हैं। बीती रात अचानक से बिजली का सॉर्ट सर्किट हो गया। जिससे खोखों में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते खोखे झुलसने लगे। आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जब इसकी सूचना पुलिस को लगी तो थाना जवां से पुलिस मौके पर पहुंच गई। सूचना देकर अग्निशमन की गाड़ियों को बुलवाया। अग्नि शमन की गाड़िया द्वारा पानी डालकर काफी कोशिश आग बुझाने की लेकिन आग काफी विकराल रूप धारण कर चुकी खोखों में की रात करीब एक बजे लगी आग की घटना का दृश्य थी। जिसके कारण बुधवार करीब सुबह के 4 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका लेकिन जब तक आग ने लगभग 10, 11 दुकानों को खाक कर दिया। आग लगने का कारण सॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

बाइक सवार बदमाश चाचा भतीजे को लूटकर फरार

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ की इगलास मंडी में भिंडी बेचकर जा रहे किसान चाचा भतीजे को बदमाशों ने लूट लिया। बाइक सवार बदमाशों ने मारपीट कर 12 हजार रुपये लूट लिए और फरार हो गए। चाचा-भतीजे गौंडा के गांव राना बरौला से इगलास मंडी में भिंडी बेचने आये थे। उनका आरोप है कि नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। घटना थाना इगलास इलाके के करथला के पास हुई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी है।

नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने जूनियर हाई स्कूल धनीपुर में फाउंडेशन कार्यक्रम मेले का उद्घाटन किया

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ जूनियर हाई स्कूल धनीपुर में अगस्त्य फाउंडेशन के तत्व विधान में मेले का कार्यक्रम रखा गया किसी कार्यक्रम का उद्घाटन भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा शक्ति केंद्र प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने किया इस कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर मंजू गौतम ने किया इस कार्यक्रम में स्कूल का पूरा स्टाफ मौजूद रहा खाना बनाने वाली रसोइया भी मौजूद रही इस मेले में बच्चों को तकनीकी ज्ञान की शिक्षा दी गई स्कूल के छात्र एवं छात्राओं इस मेले में तकनीकी योग्यता में पुरी जानकारी दी भाजपा किसान मोर्चा के कद्दावर नेता ठाकुर राकेश कुमार सिंह कहां के ऐसे जो मेले लगाए जाते हैं उसे मेले में जो तकनीकी शिक्षा दी जाती है उससे बहुत बड़े ज्ञान की प्राप्ति होती है समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम रखना बहुत जरूरी होता है इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका नीलम सक्सेना डॉक्टर नीलम पाराशर रिचा गर्ग बरखा शर्मा शालिनी ग़ोवर वेद श्री आनंद प्रकाश साधना शर्मा नीतू सिंह सीता रानी एवं दीपक कुमार सिंह का इस समय विशेष योगदान



ममता ने प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को धमकाने के आरोपों को खारिज किया, कहा- बयान का गलत मतलब निकाला गया

बुधवार को तृणमूल छात्र परिषद के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से तुरंत अपने काम पर वापस लौटने की अपील की। उन्होंने कहा कि वह डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना नहीं चाहती है। उनके इस बयान को प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने धमकी के रूप में लिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि वह सरकारी अस्पतालों के जूनियर डॉक्टरों को धमकी नहीं दी। दरअसल, कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले के विरोध में जूनियर डॉक्टरों पिछले 21 दिनों से काम बंद कर सड़कों आरोप लगा रहे हैं कि वह प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला दीजिए कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ समर्थन करती हूं। उनका प्रदर्शन करना जाहिर नहीं दी। यह आरोप बिलकुल झूठ है। बुधवार करते हुए सीएम ममता बनर्जी ने प्रदर्शन कर रहे अपील की। उन्होंने कहा कि वह डॉक्टरों के बयान को प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने धमकी के बनर्जी ने यह भी कहा था, मैंने भाजपा के केंद्र सरकार के समर्थन के साथ वे हमारे राज्य वे अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात की है। स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष की छात्रा और प्रशिक्षु डॉक्टर थीं। गुरुवार को अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद रात के 12 बजे उसने अपने दोस्तों के साथ डिनर किया। इसके बाद से महिला डॉक्टर का कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह उस वक्त मेडिकल कॉलेज में हड़कंप मच गया जब चौथी मंजिल के सेमिनार हॉल से अर्ध नग्न अवस्था में डॉक्टर का शव बरामद हुआ। घटनास्थल से मृतक का मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया गया। पोस्टमॉर्टम की शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म की घटना हुई थी। जूनियर महिला डॉक्टर का शव गद्दे पर पड़ा हुआ था और गद्दे पर खून के धब्बे मिले। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बताया गया है कि मृतक महिला डॉक्टर के मुंह और दोनों आंखों पर था। गुप्तांगों पर खून के निशान और चेहरे पर नाखून के निशान पाए गए। होठ, गर्दन, पेट, बाएं टखने और दाहिने हाथ की उंगली पर चोट के निशान थे।



पर प्रदर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग यह को धमकी दे रही हैं, जो कि बिलकुल झूठ है। उन्होंने बताया गया है। ममता बनर्जी ने कहा, मैं पहले यह स्पष्ट करने मैंने कुछ भी अपशब्द नहीं बोला। मैं उनके आंदोलन का है। जैसा कि कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं, मैंने उन्हें धमकी को तृणमूल छात्र परिषद के एक कार्यक्रम को संबोधित जूनियर डॉक्टरों से तुरंत अपने काम पर वापस लौटने की खिलाफ एफआईआर दर्ज करना नहीं चाहती है। उनके इस रूप में लिया और काम पर लौटने से मना कर दिया। ममता खिलाफ बयान दिया। मैंने उनके खिलाफ बोला, क्योंकि मैं लोकतंत्र को खतरे में डाल रहे हैं। केंद्र के साथ मिलकर उनके खिलाफ आवाज उठाई है। क्या है पूरा मामला? - अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना मृतक मेडिकल कॉलेज में चेस्ट मेडिसिन विभाग की

छोटे भाई ने बड़े को कुल्हाड़ी से काट डाला, आंगन में दफनाई लाश; खुला राज... तो कांप गई लोगों की रूह

बड़ी पूजा को लेकर बैठक हुई सम्पन्न, हर तीन साल मे होती है इस बड़ी पूजा

क्यूँ न लिखूँ सच =राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला मालवीय मे नगर स्थित लाला हरदौल मंदिर पर बड़ी पूजा को लेकर बैठक बुलाई गई इस बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष श्याम दास यागिक ककईया ने की इस बड़ी पूजा को लेकर कई लोगो को जिम्मेदारियां सौंपी गई है और लोगों से अपील की है की जिन्हें जो भी जिम्मेदारी मिली है वह अपनी जुम्मेवारी को अच्छे ढंग से निभाए इस इस बड़ी पूजा के इस, बड़े आयोजन को लेकर तीस अगस्त को सुबह साढ़े आठ बजे नगर के सभी देवी देवताओं को आमंत्रण देने जाया जाएगा एवं दो सितंबर से मैया की गांठ बधाई शुरू होगी और बैठक मे पूजा मे प्रयुक्त मूर्ति, खप्पर थाली, बकरा, वाराह, रथ, झंडा, मदिरा, गंगा जल आदि की व्यवस्था हेतु अलग अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई बैठक में समिति के मंत्री नरेश चंद्र राजपूत नरेश वर्मा विजय गुप्ता भोले, सभासद दंगल सिंह यादव महेंद्र सोनी मुकेश सोनी, सुरेश याज्ञिक, राघवेंद्र तिवारी, अनिल पट्टेरिया, चंदन यादव, रामशंकर कुशवाहा, सज्जन दुबे, राजेश्वरी यादव, रजोले पुजारी, मंगल पुजारी, रामेश्वर दयाल गुप्ता, गौरव तिवारी, नरेंद्र परिहार, मनीष पचौरी, चंद्रशेखर, दीपक चौधरी, सौरभ श्रीवास, भज्जालाल भगत, पवन रायकवार, एक्का जाटव, हरिओम, हरिगोविंद रजक, प्रदीप तिवारी, कमलेश, हिमांशु राठौर, कवालीराम, राममोहन कुशवाहा, विनोद तिवारी, हरि मोहन, मनीष नगरिया, राजेश राठौर, राजीव सोनी, धर्मेन्द्र कुमार, पिकेश शुक्ला, सुमित रिछरिया, गौरीशंकर, गनेश, रामचंद्र पिपेरिया, राजू कुशवाहा, शिवा कुशवाहा राजकुमार राजेश कुमार नरेश कुशवाहा राजेंद्र सोनी सहित कई लोग बड़ी संख्या मे मौजूद रहे

डेंगू मरीजों को अब नहीं पड़ेगी भटकने की जरूरत, आसानी से मिलेगी प्लाज्मा व प्लेटलेट्स की सुविधा

बलरामपुर में मरीजों को अब प्लाज्मा व प्लेटलेट्स के लिए भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे डेंगू के मरीजों को नहीं भटकना पड़ेगा। डेंगू, लीवर व आग से जले मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, अभी तक जिले में प्लेटलेट्स व प्लाज्मा की व्यवस्था नहीं थी। ऐसे में इसके लिए मरीजों को गोंड, बहराइच या लखनऊ तक दौड़ लगानी पड़ती थी। इसमें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। संयुक्त जिला अस्पताल में 30 अगस्त से शुरू हो रहे ब्लड सेपरेशन यूनिट से मरीजों को प्लाज्मा व प्लेटलेट्स की सुविधा यहीं पर मिल सकेगी। संयुक्त जिला अस्पताल में संचालित ब्लड बैंक की 600 यूनिट ब्लड की क्षमता है। यहां पर वर्तमान में महज 30 यूनिट ब्लड की उपलब्धता का दावा किया जा रहा है। अब यहां पर ब्लड सेपरेशन यूनिट शुरू होने जा रही है। डेंगू के मरीजों को प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है जबकि लीवर व आग से जलने वाले मरीजों को प्लाज्मा की जरूरत होती है। इस यूनिट के बनने से यह सुविधा यहां पर लोगों को मिल सकेगी। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राज कुमार ने बताया कि इससे मरीजों की समस्या काफी हद तक दूर होगी। अभी तक मिलता है सिर्फ होल ब्लड- ब्लड बैंक में अभी तक सिर्फ होल ब्लड मिलता है। थैलीसीमिया के मरीजों को निशुल्क रक्त देने की व्यवस्था है साथ ही डोनर उपलब्ध होने पर ही रक्त दिए जाने का नियम है।

अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज की बैठक का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -राजेंद्र विश्वकर्मा

कोंच(जालौन) नगर के मोहल्ला प्रताप नगर मे स्थित अति प्राचीन श्री गणेश मन्दिर के परिसर मे अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज की एक आवश्यक बैठक आहूत की गई जिसकी अध्यक्ष ता अयोध्यावासी स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष मुकेश सोनी चक्की वालो ने की इस समाज की बैठक मे आगामी समय मे आने वाले श्री गणेश महोत्सव को लेकर तेयारियो के बाबत विस्तार से चर्चा की गई और श्री गणेश महोत्सव को सफल बनाये जाने के लिये समाज के आये हुए लोगो अपने अपने विचार रखे और महोत्सव को सफल और अच्छा बनाने मे अपनी अपनी सहमति दी इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष मुकेश सोनी ने कहा की समाज के उत्थान के लिये वह सदैव तेयार रहते है और समाज के सभी लोग उनके साथ सहयोग कर रहे उन्होंने कहा की श्री गणेश महोत्सव को सफल बनाने के लिए समाज का सहयोग मिल रहा है इस अवसर पर समाज के मंत्री अरविंद कौशल रमेश कुमार कोशल पहलाद कौशल सचिन कोशल नंदराम स्वर्णकार महेश चन्द्र कोशल सोहन लाल कोशल राम शंकर लुहारी कृपा राम सोनी शशि कांत कृष्ण विहारी नारायण दास स्वर्णकार बच्चा लाल सोनी आशाराम पिंटू सोनी सोहन शशी शशी ऋतिक जय प्रकाश मनोज सोनी नरेंद्र सोनी मन्जो सोनी मोठ मुन्ना, प्रदीप सोनी अतुल सोनी राघवेंद्र कोशल बलराम ककका चुन्ना बाबा हरिशंकर राम कुमार राजेंद्र सतीश मनीष कल्लू बाबा जितेंद्र सुभाष राकेश सुंदरम सहित कई समाज के लोग मौजूद रहे

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 927776991

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम जमुनहा के खिलाफ अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल
श्रावस्ती। जमुनहा तहसील में तैनात एसडीएम संजय राय के खिलाफ जमुनहा में अधिवक्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। और

एस डी एम जमुनहा को सिनान्तरित किये जाने की मांग किया अधिवक्ताओं ने डीएम को ज्ञापन प्रेषित करते हुए कहा है कि एस डी ए म जमुनहा बिना

परे पूरे साध्य व बहस के ही मुकदमों में फैसला सुना देते हैं। जमुनहा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अजय कुमार पाण्डेय व महामन्त्री हरीश यादव के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया और एसडीएम के स्थानान्तरण तक न्यायालय का बहिष्कार व प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। इस मौके पर अधिवक्ता सत्य नारायण यादव, जे0 के0 भारती, ओम प्रकाश सोनकर, अरविंद यादव, दिनेश प्रताप वर्मा शुक्रन शर्मा, दीपांशु त्रिपाठी, लाडला पाण्डेय, जगत पाल सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

एक दशक पूर्व बनी सड़क गड्डों में तब्दील

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल
श्रावस्ती जमुनहा विकास क्षेत्र के गिरंट से चमारनपुरवा होते हुए बभनपुरवा तक जाने वाली करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क पूरी तरह से गड्डों में तब्दील हो गई है। इसके कारण आने जाने में लोगों को समस्या हो रही है। विकास क्षेत्र जमुनहा के नानपारा गिरंट मार्ग स



चमारनपुरवा गांव से बभनपुरवा तक डेढ़ किलोमीटर सड़क दो दशक पहले बनी मंडी परिषद से बनी थी। चमारनपुरवा और बभनपुरवा गांव में सड़क गड्डों में तब्दील हो गई है। इसके कारण लोगों को कीचड़ और गंदे पानी से होकर जाना पड़ता है। क्षेत्र के लोगों ने सड़क बनाने के लिए श्रावस्ती लोक निर्माण विभाग से मांग की तो कहा गया कि सड़क का निर्माण क्षतिग्रस्त चमारनपुरवा बभनपुरवा मार्ग की सड़क मंडी परिषद से कराया गया था तो मरम्मत भी मंडी परिषद की ओर से कराया जाएगा। दो विभागों के बीच में सड़क खस्ताहाल पड़ी है। मंडी परिषद सड़क को श्रावस्ती लोक निर्माण विभाग को हेंड ओवर करने के लिए प्रदीप त्रिपाठी ने देवी पाटन मंडल गोंडा मंडी परिषद से मांग की थी। इस पर मंडी परिषद देवी पाटन मंडल गोंडा की ओर से मुख्य विकास अधिकारी को पत्र भेजकर सड़क को श्रावस्ती लोक निर्माण विभाग से फिर से बनाने की अनुमति दे दी है।

किशारा भगाने का आरोप, केस दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव
श्रावस्ती थाना हरदत्त नगर गिरंट क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी को एक युवक की ओर से भगाने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज किया है। भगाई गई किशोरी के पिता ने हरदत्त नगर गिरंट थाने में पहुंच कर आरोप लगाया कि भगाई गई किशोरी अपने साथ अपनी मां के जेवरत व 50 हजार नकदी लेकर भागी है। थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय ने बताया कि मामला दर्ज करके खोजबीन किया जा रहा है।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

की आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्युत्प्रे विज्ञापन प्रतिनिधि की

सम्पर्क करे-9027776991

मैनपुरी में छोटे भाई ने बड़े को कुल्हाड़ी से काट डाला। इसके बाद उसकी लाश आंगन में दफना दी। खुला राज तो लोगों की रूह कांप गई। पुलिस ने खोदकर लाश निकाली। आगे की कार्रवाई कर रही है। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां छोटे भाई ने बड़े की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। शव को घर के आंगन में ही दफना दिया। गुरुवार को घटना के चौथे दिन खुलासा हुआ। सच्चाई जानकर घरवालों के रोंगटे खड़े हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आंगन में खुदाई करके शव बरामद किया है। घटना कुरावली थाना क्षेत्र के गांव सलेमपुर की है। गांव निवासी रामस्वरूप का बड़ा पुत्र पूरन गांव के बाहर सरकारी कॉलोनी में रहता है। उसके अन्य दो भाई राज मिस्त्री नेकसू उर्फ हरस्वरूप तथा सत्यभान गांव में ही पुराने मकान में रहते थे। चार दिन पहले रविवार को नेकसू की पत्नी मुनक्का देवी रात में अपने पांच बच्चों को साथ लेकर जेट पूरन के मकान पर पहुंची। वह बच्चों के साथ वहीं पर सो गई। देर रात शराब के नशे में नेकसू तथा गांजा के नशे में सत्यभान के बीच झगड़ा हो गया। आपस में गाली गलौज करने लगे। इस पर सत्यभान ने घर पर रखी कुल्हाड़ी से नेकसू के सीने तथा बाजू पर हमला कर दिया। इससे नेकसू की मौके पर मौत हो गई। नशा कम होने पर सत्यभान ने भाई का रक्त रंजित शव देखा तो घबरा गया। इस पर उसने रात में ही आंगन में हैंड पंप के लिए बनाए गए गड्ढे पर रखी पटिया को हटाया। इसमें नेकसू के शव को डाल दिया। उसके ऊपर मिट्टी डालकर पटिया रख दी। सोमवार की सुबह नेकसू की पत्नी मुनक्का देवी बच्चों के साथ घर पहुंची। सत्यभान ने उससे बताया कि नेकसू कहीं बाहर चला गया है। काफी समय तक न आने पर मुनक्का, देवर पूरन के साथ पति को खोजने में जुटी। बुधवार की शाम मुनक्का और पूरन कोतवाली पहुंचे। वहां नेकसू के गायब होने की शिकायत की। इंस्पेक्टर के न मिलने पर वह वापस लौट आए थे। गुरुवार की सुबह गांजा के नशे में सत्यभान अपने बड़े भाई पूरन से झगड़ा करने लगा। नशे में ही उसने पूरन से कहा कि जैसे मैंने नेकसू को काट दिया, वैसे ही तुझे काटकर मिट्टी में दबा दूँगे। इसके बाद पूरन ने मोहल्लेवासियों की मदद से नेकसू को पकड़ लिया। डायल 112 तथा थाना पुलिस को सूचना दी। शाम को इंस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आरोपी सत्यभान से पूछताछ की तो उसने अपराध कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस ने सत्यभान से ही गड्ढा खोदने को कहा। शव को बाहर निकाला गया। पुलिस ने आरोपी सत्यभान को गिरफ्तार किया है।



हादसे में उजड़ गया परिवार: सड़क पर बिखरी थी मां और मासूम बेटे की लाश; पिता और दूसरे बेटे की हालत नाजुक

हादसे में परिवार उजड़ गया। ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। मां और मासूम बेटे की लाशें सड़क पर बिखरी थीं। पिता और दूसरे बेटे की हालत नाजुक है। उत्तर प्रदेश के एटा में गुरुवार को ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। जबकि दूसरा बेटा और पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हादसे की जानकारी ली। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के आर्ष गुरुकुल के पास कासगंज रोड पर हुआ। यहां दंपती और दो बच्चे बाइक से जा रहे थे। आर्ष गुरुकुल के पास सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रक से बाइक टकरा गई। हादसे में एक मासूम बच्चा और मां की दर्दनाक मौत हो गई। पिता और दूसरे बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस घायलों की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है।



फर्रुखाबाद/ मऊदरवाजा।थाना पुलिस ने अदालत के आदेश पर पूर्व सभासद के पुत्रों के विरुद्ध अश्लीलता करने का केस दर्ज किया है। पीड़ित महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि आरोपी रकाबगंज खुर्द मोहल्ला निवासी अनिरुद्ध शाक्य, राहुल शाक्य, अभिषेक शाक्य पुत्रगण रवीन्द्र शाक्य एवं आकाश शाक्य पुत्र राजेन्द्र शाक्य हैं। उपरोक्त लोग अक्सर प्रार्थिनी के घर से निकलने पर प्रार्थिनी पर अभद्र व अश्लील टिप्पणी करते रहते हैं। 15 जुलाई 22 को प्रार्थिनी अपने घर से कालोनी जा रही थी तो उपरोक्त लोग रास्ते में दुकान पर बैठे हुये थे। प्रार्थिनी को देखते ही सीटी मारते हुये कहने लगे कि देखो ट्रक जा रहा है। एम्बेस्डर जा रही है। टैक्सी जा रही है। जी0टी0रोड है। कोई भी गाड़ी जा सकती है। सभी लोग नोट निकालकर मेरी तरफ दिखाते हुये कहने लगे कि कितने लोगी। मैं दे सकता हूं। मैं शर्म के कारण घर चली गयी और उक्त बातें अपने ससुर को बताई। तो मेरे ससुर इन लोगो के घर शिकायत करने गये। उक्त लोग मेरे ससुर को मारने के लिये तैयार हो गये । जिसकी शिकायत मैंने 16 जुलाई को तहसील दिवस पर की थी। 24 जुलाई को समय करीब 8 बजे शाम को जब प्रार्थिनी बाजार से अपनी कांशीराम कालोनी जा रही थी। तभी कालोनी से पहले आकाश फंक्शन पैलेस के निकट पहले से घात लगाये अनिरुद्ध शाक्य ने मुझे घेर लिया और गंदी गंदी मां वहन की गालियां दी। साली, हरामजादी कुतिया करते हुये वदनीयत से पकड़कर खेत की ओर खींच लिया। मेरे साथ अश्लील हरकतें करते हुये मेरे साथ नीच खसोट कर मेरे निजी अंग से छेड़छाड़ करने लगे। तभी शोरगुल व चीख पुकार की आवाज पर तमाम राहगीरों व सुशील के आ जाने पर उपरोक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। मुकदमे की जांच उप निरीक्षक उदय सिंह को सौंपी गई है।

Tips To Buy Papaya: These 4 tricks are enough to find out whether papaya is tasteless or sweet

It is not easy for everyone to identify whether papaya is sweet or tasteless. Many people get deceived by seeing yellow papaya and after bringing it home and cutting it, it is found that it is not fully ripe. Let us tell you 4 such ways (Tips To Buy Papaya) with the help of which you



can choose s w e e t p a p a y a . Often people get deceived while buying papaya and it turns out to be raw. Money is wasted if the right way to buy papaya is not known. You can buy good papaya by taking care of some t h i n g s . Papaya is not only tasty but also very nutritious, which many

people like to eat as breakfast or snacks. However, many times it happens that after buying papaya and bringing it home, it does not turn out to be as sweet as we expect. If you also do not know the right way to identify it (Easy Ways To Buy Sweet Papaya), then let us tell you about it in this article. Find out if the papaya is sweet or not - by looking at the color: Ripe papaya is not green in color. Ripe papaya has yellow and orange stripes. If the color of papaya is green or there are very few yellow stripes on it, it means that it is raw and will be sour in taste. Press it: Ripe papaya becomes a little soft when pressed a little. If the papaya is too hard, it means that it is raw. On the other hand, if the papaya becomes too soft when pressed, it means that it is overripe and is on the verge of spoiling. Find out by smell: Ripe papaya gives a sweet smell. If there is no special smell coming from the papaya, it means that it is raw. Look at the stalk: By looking at the stalk of papaya, it can also be found out whether it is ripe or not. If the stem of the papaya is green and hard, it means that it is raw. On the other hand, if the stem is slightly brown and soft, it means that it is ripe. Tips to buy a good papaya- While buying papaya, pay attention to its size. Large sized papayas are usually sweeter. There should not be any stains or scratches on the papaya. While buying papaya, also keep in mind the season. Papaya is sweeter in summer season.

Even after lakhs of efforts, parents are not agreeing for love marriage, so with these 10 ways, your hands will soon turn yellow

It is not easy to convince parents in India for love marriage. Many times, even after lakhs of efforts of the couple, parents do not agree or have to wait for a long time to get their consent. If you are also facing a similar problem, then here we are going to tell 10 such effective ways with the help of which the family members can be convinced instantly. It becomes very difficult for many people to convince parents for love marriage. Many times people even lose their partner when parents do not agree for marriage. With the help of some special ways, parents can be convinced for love marriage. If you are also tired of trying to convince your parents for love marriage, then this article is for you. There is no doubt that even today in India many parents do not support love marriage, due to which either people lose their partner and remain single for life or try to move forward in life by getting into a loveless relationship under the pressure of society. In such a situation, both are harmed and sometimes even married life does not go well. To avoid all this, it is better to convince the parents in the right way, let us tell you about 10 effective ways related to this (love marriage ko arrange kaise kare). 1) Things will work out with understanding - First of all, you also have to try to understand the feelings of the parents. Make them realize how much you appreciate their love, support and love. Tell the parents about the good qualities of your partner and try to explain to them how deep the relationship between you two is. Also, listen to their fears and concerns and be ready to answer them. 2) Introduce your partner- Try to introduce your partner to your parents. This will help them get to know them personally and will also give them a good opportunity to assess their personality and character. Also, ensure that your partner shows the same love and respect to your parents as you feel for them. 3) Explain the reason for love marriage- Explain to your parents why you love your partner and why their support is important for you. Express your feelings to them and try to express your love for your partner in clear words. Tell them that you cannot be happy without their blessings and support. 4) Respect family traditions- Respect your family traditions and explain to them that love marriage can also be done according to these traditions. Together with your parents, you can plan a wedding in which both of you agree. 5) Spend time with family- Try to spend as much time as possible with your family. This will strengthen your relationship and parents will try to erase their lines for you. Attend functions with family, take your partner along with the family for dinner or drive, which can help in deepening the mutual relationship. 6) There is nothing wrong in compromise- If you can compromise with your parents, then do not back out from it. There is nothing wrong in taking this path for love marriage. You may be ready to accept some of your parents' conditions, such as waiting for marriage till a fixed time or organizing a traditional wedding. 7) Give time to parents- Give your parents time to think about your decision and accept it. Do not try to put pressure on them and be patient. With time they will understand your decision and accept your partner. 8) Express feelings- If you truly love your partner, then do not be afraid to express your feelings. Tell your parents how unhappy you will be without their blessings and support. Explain to them that the love between you two is true and you want to spend a happy and successful life with your partner. 9) You can also take professional help- If you are finding it difficult to convince your parents, then there is no harm in taking the help of a professional. A therapist or counselor can tell you a better way to communicate with your parents, which can help you a lot in convincing them for marriage. 10) Get support from partner's family- Try to get support from your partner's family as well. If their family members can talk to your parents, then it can prove to be helpful for your love marriage. Remember, it can take both time and effort to convince parents for love marriage. In such a situation, you have to be patient and fight for your love by talking sensibly. If you are successful in convincing your parents, then obviously this marriage can be completed without hurting anyone.

These 5 colors look great on dark skin, be it day or night function, they are best for every occasion

Wheatish skin tone is considered very good because almost all colors look good on this skin tone but this is not right. If people with such skin tone carry bright colors, they look different and sometimes they are also made fun of. Maroon, olive green, mustard yellow color looks very beautiful on such skin. Dark skin tone is considered the best. Warm shades look very good on this skin tone. Mustard, olive green, maroon colors look best on this skin. If your skin



tone is Wheatish, then let us tell you that it is considered the best, because people with such skin tone do not need much effort to look beautiful. With the help of a little understanding of fashion and tips, you can steal the show whether it is a wedding or a party or an office event.

Today we are going to tell you about some colors that look great on dark skin, so you should definitely include these colors in your wardrobe. Colors that look good on dark skin- 1. Mustard Yellow- While other shades of yellow look odd on your skin, mustard shade is very beautiful. You can include this color in the clothes worn for weddings, normal events or even in the office. 2. Maroon- Maroon shade enhances the glow of dark skin. Although this shade looks great not only on dark skin but also on fair and dark skin tone, but it highlights differently on wheatish skin. 3. Olive Green- There are most shades of green and our eyes can recognize green shades the most. If your skin tone is wheatish, then you should definitely try this beautiful shade of green. You can carry this color in any function, be it day or night. This color looks good on both men and women. 4. Brown- Many people consider brown color as boring. Due to this, not much experimentation is done with it, but if your skin tone is wheatish, then you should give this color a place in your wardrobe. 5. Fuchsia Pink- While a light shade of pink may look odd on a wheatish complexion, fuchsia pink can enhance your look. It enhances your complexion even more.



which can help you a lot in convincing them for marriage. 10) Get support from partner's family- Try to get support from your partner's family as well. If their family members can talk to your parents, then it can prove to be helpful for your love marriage. Remember, it can take both time and effort to convince parents for love marriage. In such a situation, you have to be patient and fight for your love by talking sensibly. If you are successful in convincing your parents, then obviously this marriage can be completed without hurting anyone.

Vijay Varma's big statement on Even after 15 years, Salman making his relationship with Khan did not forget a single step, Tamanna public, said - 'There is at the age of 58, did a tremendous an aunt hidden inside everyone' dance on the song of 'Wanted'

Vijay Varma will soon be seen in Anubhav Sinha's OTT debut series IC 814 The Kandahar Hijack. The whole country was shocked by this incident. Recently, the actor talked about his and Tamanna Bhatia's relationship in an interview. Tamanna was last seen in the popular



song Aaj Ki Raat of Stree 2. 'Anubhav Sinha' will show the incident of 1999 This series is the story of plane hijacking - Made the relationship official in the year 2023 Vijay Verma and Tamanna Bhatia's relationship is not hidden from anyone. Both have been seen together in public appearances many times and often share pictures together on social media. But at a time when couples like to keep their relationship secret, why did Tamanna and Vijay make their relationship public? Why didn't they hide the relationship? - Now the actor has answered this. Vijay Verma said in an interview to Shubhankar Mishra's YouTube channel, we opened up our relationship because we did not want to suppress our feelings. Both Tamanna and I agreed that if we like spending time with each other and we like each other, then there is no need to hide this feeling. It takes a lot of effort to hide a relationship. You cannot go out together, friends cannot click your photo. I do not like such restrictions. Interested to know about the other's life - The actor further said, 'However, there are many things that I do not bring in front of the public. Like there are about 5000 photos of me and Tamanna together but they are nowhere in the public because they are only for us. Vijay laughingly said that everyone has a hidden aunt inside them and they want to know what is happening in the other person's life? When he was asked if the relationship ever affected his work, the actor said that I get appreciation for my work and I cannot deny this. Tamannaah Bhatia and Vijay Verma confirmed their relationship during Lust Stories 2 in the year 2023. Both were seen together in this film. After this, both were seen celebrating holidays together in Goa.

Salman Khan makes a splash wherever he goes. Recently, Salman has attended an event in Mumbai. A latest video of this occasion is going viral on social media in which Salman Khan



is seen doing a tremendous dance on the song Jalwa from his iconic movie Wanted which came 15 years ago. Salman Khan is known as the mega superstar of the industry. Salman's name often becomes a topic of discussion in the entertainment world. At this time, Bhaijaan is making headlines for a viral video, the reason for which is his brilliant dance. Recently, Salman Khan has attended an event organized in Mumbai and his latest video of this occasion has surfaced, in which he is seen doing the exact steps on the song Jalwa from his superhit film Wanted even after 15 years. Let's take a look at this video of Salman. Salman stole the show with his dance- In the year 2009, Salman Khan starrer film Wanted was released in theatres. Salman won the hearts of the audience through the character of Radhe in the movie. The story and songs of this film are still on the lips of the fans. Especially the song Jalwa in the voice of late singer Wajid Khan is considered everyone's favorite. Celeb photographer Varindra Chawla has shared a latest video on Instagram. In which Salman Khan is seen dancing fiercely on this song of Wanted movie. The way Salman is showing flexibility on stage at the age of 58, he deserves praise for it. The situation is such that this video of his is becoming increasingly viral on the internet and everyone is praising Bhaijaan fiercely. Let us tell you that in the coming time, Salman will be seen in the film Sikandar. Wanted became a boon for Salman- Before the release of Wanted, many questions were being raised on Salman Khan's acting career. But this movie directed by Prabhu Deva revived Salman's career once again and after that he never looked back. The success of Wanted boosted Salman's morale and he gave 17 such movies which managed to earn more than 100 crores at the box office.

100 days ago 'Pushpa Raj' gave an open challenge, will Stree 2 be wiped out at the box office?

Looking at the explosive performance of Stree 2 at the box office, the question arises that who will break the record of this movie in terms of earnings. Meanwhile, the makers of Allu Arjun's upcoming movie Pushpa 2 launched the latest poster 100 days before the release of the film and made a prediction about the box office collection. Pushpa 2's latest poster surfaced

100 days left for the release on Stree 2's earnings record Shraddha Kapoor's horror written a new history in office. The tsunami of this performance has dwarfed Whatever films will be their eyes will definitely be Meanwhile, everyone is compete with Stree 2 from the release of the film, the announcement regarding Let's understand the matter compete with Stree 2 - On Allu Arjun starrer Pushpa - poster of the film. In which Along with this post, the the fans in the caption - Get performance at the box days are left for the release this post of the makers of speculated that they have other films in gestures that is going to be their movie. in terms of earnings through Pushpa 2 be released-



of the film Pushpa Raj's eyes Rajkumar Rao and comedy movie Stree 2 has terms of earnings at the box movie's explosive the films of big superstars. released in the coming time, on Stree 2's collection. expecting Pushpa 2 to the South. 100 days before makers have made a big the box office prediction. in detail. Pushpa 2 will Wednesday, the makers of The Rule shared the latest Allu is seen in a unique style. makers have written about ready to see a blockbuster office, because now only 100 of Pushpa 2. Now looking at Pushpa 2, it is being given an open challenge to the next stir at the box office Earlier, his movie has rocked Pushpa Part 1. When will Pushpa 2 was to be released

on the big screen on 15 August. But due to some post production work, it was postponed. Based on this, now director Sukumar's Pushpa Part 2 will be released in theaters on 6 December 2024 in the coming time. Apart from Allu Arjun, you will get to see many actors like Rashmika Mandanna and Fahadh Fasil in this movie.